देश के 66 हजार स्टार्टअप में सर्वाधिक 8374 आईटी सर्विस क्षेत्र के

स्टार्टअप के लिए आईटी सर्विस युवाओं की पहली पसंद, स्वास्थ्य दूसरा विकल्प

एक्सक्लूसिव

शिक्षा तीसरे स्थान पर और कृषि पांचवां पसंदीदा क्षेत्रझ्र

नगेन्द्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. आत्मनिर्भर बनने के लिए युवाओं की ओर से शुरू किए जा रहे स्टार्टअप में उनकी पहली पसंद आईटी सर्विस सेक्टर हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं जबकि कृषि

बहुल भारत देश में स्टार्टअप के लिहाज से कृषि पांचवां पसंदीदा क्षेत्र है।

इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 22 मार्च 2022 की स्थिति के तहत देश में 56 क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त 66810 स्टार्टअप हैं। उनमें सर्वाधिक 8374 स्टार्टअप आईटी सर्विस (सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं) क्षेत्र के हैं। हेल्थ केयर एवं लाइफ साइंस (स्वास्थ्य) क्षेत्र में 6191 जबकि शिक्षा क्षेत्र में 4457 स्टार्टअप मान्यता प्राप्त हैं। व्यावसायिक और वाणिज्यिक सेवा क्षेत्र में स्टार्टअप की संख्या 3331 हैं। कृषि में 3074 स्टार्टअप मान्यता प्राप्त हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) (1229), रोबोटिक्स (390), आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (1323) एनालिटिक्स (537)जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित क्षेत्रों में 4500 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई हैं।

भारत सरकार ने देश में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और उद्यमिता को गति देने तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए 16 जनवरी 2016 से स्टार्टअप इंडिया पहल की हैं। 2016-17 के वित्तवर्ष में देश में 726 स्टार्टअप मान्यता प्राप्त थे जिनकी संख्या महज 5 साल में ही वित्तवर्ष 2021-22 में बढ़कर 66810 पर पहुंच गई है। इन स्टार्टअप के चलते देश में 7 लाख नौकरियां सृजित हुई हैं।

50% द्वितीय-तृतीय श्रेणी शहरों में

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से देश में 56 विभिन्न क्षेत्रों में 66 हजार स्टार्टअप को मान्यता दी गई हैं। इसमें से 50 फीसदी स्टार्टअप द्वितीय और तृतीय श्रेणी शहरों में हैं। जो दर्शाता है कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलुरू, हैदराबाद, अहमदाबाद की जगह अब छोटे शहरों में भी युवा स्टार्टअप के जरिए खुद के पैरों पर खड़े होने की कोशिश में जुटे हैं।

बाजार में जिसकी डिमांड, उसकी बोलबाला

स्टार्टअप भी बाजार आधारित है। जिसकी बाजार में डिमांड ज्यादा है, उसकी बोलबाला ज्यादा रहती है। निवेशक जिसमें पैसा लगा रहे हैं, उसी में युवा आगे बढ़ रहे हैं। यूं तो हर क्षेत्र में अब स्टार्टअप कंपनियां सरकार की मदद से बन रही हैं। बढ़ रही हैं, लेकिन आईटी व उससे जुड़े क्षेत्र में टैलेंट जल्द मिल जाता है। निवेशक ज्यादा रुचि दिखाते हैं तो वह ज्यादा दिखता है।

-हिरनमय महंता, सीईओ, आई हब, गुजरात

गैर तकनीकी स्टार्टअप को भी तवज्जो दे रहे युवा

स्टार्टअप में आईटी सर्विस युवाओं की पहली पसंद होने की एक वजह यह है कि तकनीकी संस्थाओं में स्टार्टअप ज्यादा लोकप्रिय हुए हैं। हालांकि नैसकॉम 2020 रिपोर्ट कहती है कि 53 प्रतिशत स्टार्टअप गैर तकनीक क्षेत्र में हैं। जो दर्शाता है कि तकनीकी क्षेत्र और गैर तकनीक क्षेत्र में अब अवसर समान हैं, उसे युवा समान तवज्जो देने लगे हैं। गैर तकनीक क्षेत्र के स्टार्टअप को थोड़ा ज्यादा समय लगता है। अटल इनोवेशन मिशन से गैर तकनीकी स्टार्टअप को गति मिल रही है। चूंकि आईटी और आईटीईएस क्षेत्र में निवेश कम है, युवाओं का कंफर्ट लेवन ज्यादा है, जिससे वह उन्हें पसंद है। बाकी स्टार्टअप तो स्टार्टअप है। चाहे तकनीकी हो या गैर तकनीक क्षेत्र में हों।

-डॉ.सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई, अहमदाबाद

स्टार्टअप इंडिया के टॉप 10 मान्यता प्राप्त क्षेत्र

क्षेत्र	स्टार्टअप
आईटी सेवा	8374
हेल्थ केयर एंड लाइफ साइंस	6191
शिक्षा	4457
व्यावसायिक-वाणिज्यिक सेवाएं	3331
कृषि	3074
खाद्य एवं पेय पदार्थ	3055
निर्माण	2337
वित्त प्रौद्योगिकी	2094
प्रौद्योगिकी हार्डवेयर	2070
नवीकरणीय ऊर्जा	1775

(स्रोत: लोकसभा में पेश आंकड़े)